—:: कार्यवाही विवरण ::—

मेसर्स आरएसएलडी बायोफ्यूल्स प्राईवेट लिमिटेड, ग्राम—कैथ नवागांव, तहसील व जिला—मुंगेली (छ.ग.) में Proposed Cane Juice/Grain Based Distillery for production of 600 KLPD Rectified Spirit (RS)/Extra Neutral Alcohol (ENA)/Ethanol along with 12.0 MW Co-generation Power Plant के पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु अतिरिक्त कलेक्टर, कार्यालय कलेक्टर, जिला—मुंगेली (छ.ग.) की अध्यक्षता में दिनांक 17/11/2025. प्रातः 11:00 बजें से स्थान हेलीपेड परिसर फास्टरपुर, तहसील व जिला मुंगेली (छ.ग.) में आयोजित लोक सुनवाई का कार्यवाही विवरण :—

भारत सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली की, ई.आई.ए. अधिसूचना 14.09.2006 (यथा संशोधित) के तहत् मेसर्स आरएसएलडी बायोफ्यूल्स प्राईवेट लिमिटेड, ग्राम—कैथ नवागांव, तहसील व जिला—मुंगेली (छ.ग.) में Proposed Cane Juice/Grain Based Distillery for production of 600 KLPD Rectified Spirit (RS)/Extra Neutral Alcohol (ENA)/Ethanol along with 12.0 MW Co-generation Power Plant के पर्यावरणीय स्वीकृति के संबंध में लोक सुनवाई की सूचना **स्थानीय समाचार पत्र हरिभूमि, बिलासपुर में दिनांक 15/10/2025 तथा राष्ट्रीय समाचार पत्र द हिन्दू, नई दिल्ली के मुख्य संस्करण में दिनांक 15/10/2025 को लोक सुनवाई संबंधी सूचना प्रकाशित करवाई गई थी।** तद्नुसार लोक सुनवाई दिनांक 17/11/2025. प्रातः 11:00 बजें से स्थान हेलीपेड परिसर फास्टरपुर, तहसील व जिला मुंगेली (छ.ग.) में आयोजित की गई। ई.आई.ए. अधिसूचना 14/09/2006 (यथा संशोधित) के प्रावधानों के अनुसार ड्राफ्ट ई.आई.ए. रिपोर्ट, कार्यपालक सार की प्रति (हिन्दी व अंग्रेजी) एवं इसकी सी.डी. (साफ्ट कापी) जन सामान्य के अवलोकन/पठन हेतु कलेक्टर, कार्यालय कलेक्टर, जिला—मुंगेली, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, कार्यालय, जिला पंचायत— मुंगेली, जिला— मुंगेली, अनुविभागीय अधिकारी (रा0), कार्यालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा0) मुंगेली, जिला—मुंगेली, महाप्रबंधक, कार्यालय महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, मुंगेली, जिला— मुंगेली, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, कार्यालय जनपद पंचायत, मुंगेली, जिला—मुंगेली, तहसीलदार, कार्यालय तहसीलदार, मुंगेली, जिला—मुंगेली, क्षेत्रीय अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, व्यापार विहार पं. दीनदयाल उपाध्याय पार्क के पास, बिलासपुर, सरपंच/सचिव कार्यालय ग्राम पंचायत कैथ नवागांव, नवागांव, किगरियापारा, बिचारपुर, नागीपहरी, फास्टरपुर, लालपुर, तालम, चमारी, सराईडबरी, गोरखपुर, मदनपुर, सिल्ली, रमईपुर, दाबो, उड़का, बोदा, बैहरसरी, बैहाकापा, परसवारा, करिसरा, सिपाही, मानपुर, सोनपुरी, खैर सेतगंगा, सेतगंगा, पौनी तहसील—मुंगेली, जिला—मुंगेली (छ.ग.) डायरेक्टर, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन, मंत्रालय, भारत सरकार, इंदिरा पर्यावरण भवन, वायु विंग, जोरबाग रोड़, नई दिल्ली, क्षेत्रीय निदेशक, एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, अरण्य भवन, नार्थ ब्लॉक,

सेक्टर–19, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर (छ.ग.) एवं मुख्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, पर्यावास भवन, नॉर्थ ब्लॉक, सेक्टर – 19, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर (छ.ग.) में रखी गई है। परियोजना के संबंध में सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां एवं आपत्तियां सूचना प्रकाशन जारी होने के दिनांक से 30 दिन के अंदर क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, बिलासपुर (छ.ग.) में लिखित रूप से कार्यालयीन समय में प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया। लोक सुनवाई दिनांक से पूर्व दिनांक तक अर्थात् 16/11/2025 तके लोक सुनवाई के संबंध में सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां/आपत्तियों के संबंध में इस कार्यालय को कोई भी आवेदन पत्र प्राप्त नहीं हुआ हैं।

लोक सुनवाई हेतु निर्धारित तिथी दिनांक 17/11/2025 प्रातः 11:00 बजें से स्थान हेलीपेड परिसर फास्टरपुर, तहसील व जिला मुंगेली (छ.ग.) में आयोजित की गई थी। लोक सुनवाई की कार्यवाही नियत समय पर आरंभ की गई।

सर्वप्रथम श्रीमती निष्ठा पाण्डेय तिवारी, अतिरिक्त कलेक्टर एवं पीठासीन अधिकारी, कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, जिला–मुंगेली (छ.ग.) द्वारा लोक सुनवाई की कार्यवाही आरंभ करने की अनुमति के साथ श्रीमती रश्मि श्रीवास्तव, क्षेत्रीय अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, बिलासपुर (छ.ग.) द्वारा भारत सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी ई.आई.ए. अधिसूचना 14.09.2006 (यथा संशोधित) के परिपेक्ष्य में लोक सुनवाई के महत्व एवं प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी जनसामान्य को दी गई।

तत्पश्चात् परियोजना प्रस्तावक की ओर से उद्योग श्री सुरेन्दर सिंग मथारू, पर्यावरण सलाहकार, मेसर्स चण्डीगढ़ पॉल्युशन टेस्टींग लेबेरट्री, द्वारा मेसर्स आरएसएलडी बायोफ्यूल्स प्राईवेट लिमिटेड, ग्राम–कैथ नवागांव, तहसील व जिला–मुंगेली (छ.ग.) में Proposed Cane Juice/Grain Based Distillery for production of 600 KLPD Rectified Spirit (RS)/Extra Neutral Alcohol (ENA)/Ethanol along with 12.0 MW Co-generation Power Plant के प्रस्तावित ग्रीन फील्ड परियोजना के संबंध में संक्षिप्त जानकारी जनसामान्य को दी गई।

तत्पश्चात् अतिरिक्त कलेक्टर एवं पीठासीन अधिकारी, कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, जिला–मुंगेली (छ.ग.) द्वारा उपस्थित जनसमुदाय को जनसुनवाई संबंधी विषय पर अपने सुझाव, आपत्ति, विचार, टीका–टिप्पणी मौखिक अथवा लिखित रूप से विचार प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया।

उपस्थित लोगों के द्वारा मौखिक रूप से सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां/आपत्तिया दर्ज कराया गया। जिसका विवरण निम्नानुसार है :–

1. **श्री कृष्णा मोहर, ग्राम–मोहगांव** :–मेरा गांव मोहगांव, कवर्धा जिला में आता है। मैं एक किसान हूॅ। मेरा एक सवाल है कि ये जो फैक्ट्री लगेगा उसमें जो प्रोडक्शन होगा उसमें किसानों से लिया जायेगा या बाहरी रहेगा?

2. **श्री नमन भास्कर, ग्राम–कवंलपुर** :– कवर्धा जिला है मेरा, जैसे कि मैं जानना चाहता हूॅ फैक्ट्री लग रही है एथेनॉल का अच्छी बात है, रोजगार के अवसर भी होंगे। क्या उससे वायु प्रदूषण व जल की समस्या तो नहीं होगी? बडा विषय है इसको बतायेंगे डिटेल में, क्या प्रदूषण व जल दोहन तो नहीं होगा?

3. **श्री रहस लाल घृतलहरे, ग्राम–पुसऊ–नवागांव** :– मेरा जमीन है नवागांव से लगा हुआ है। हमारे वहां पर पानी की बहुत समस्या रहता है। 400 फीट बोर करवाओं तो भी से पानी नहीं मिलता है। अभी वॉटर लेवल है 100 और 120 फीट में बोर चल रहा है हम लोग का, अभी जो कंपनी खुल रहा है उसको पानी बहुत जरूरी है। पानी बिना उसका कुछ हो ही नहीं सकता। कंपनी को पानी की जरूरत है, जिससे वह ज्यादा खोदाई करेगा, हम लोग किसान हैं वॉटर लेवल के समस्या का समाधान के लिए कंपनी वाले या आप लोग ही कुछ सुझाव बताना।

4. **श्री भूपेन्द्र चंद्राकर, ग्राम–कुण्डा** :– 05 कि.मी. की डिस्टेन्स में मेरा गांव है। मैं शुगर फैक्ट्री के मेम्बर से प्रश्न करना चाहता हूॅ कि किसानों को उचित मूल्य कैसे देंगे? उनकी जो फसल होगी, उसका जो मूल्य होगा या उसका जो पेमेन्ट होगा ओ किस आधार पर पेमेन्ट होगा? कैसे फायदा मिलेगा किसान को इससे? गन्ने की खेती तो लगभग मैं 05 साल से कर रहा हूॅ, मेरे को कवर्धा जिला में अवार्ड भी मिला है गन्ने की खेती में। गन्ने के खेती से किसानों को बहुत फायदा है। मैं ये कह सकता हूॅ कि गन्ने की खेती में पास में फैक्ट्री है तो सोने पे सुहागे वाली बात है। गन्ने की खेती करने से एक तो मिट्‌टी उपजाऊ भी होती है। गन्ने की लागत को देखा जाये तो धान की फसल से बेनीफिट ज्यादा है, किसानों को एक बात और बताना चाहता हूं कि अगर हम लोग गन्ना का खेती करने के बाद गन्ना को काटते हैं तो उसके स्थान पर दूसरी फसल डालते हैं जैसे धान या चना तो उस फसल की खेती बढ़ जाती हैं, जिससें खेती में भी सुधार होती है। गन्ने की फसल से किसान समृद्व भी होते हैं। मैं कवर्धा जिला से आता हूॅ, पूरे छत्तीसगढ में पता हैं कि गन्ने की खेती कैसी होती है, उसका उत्पादन क्या है?

5. **श्री छबिलाल साहू, ग्राम–सिपाही** :– जैसे किसान गन्ने के फसल उगाते है। मैं ये जानकारी लेना चाहता हूँ कि जैसे हम लोग किसान हैं, जो एथेनॉल कंपनी है, बायोफ्यूल्स है इससे क्या–क्या लाभ हो सकता है? और इसके बारे में हमको जानकारी चाहिए, क्या हमें इससे नुकसान तो नहीं होगा? और ये हमारे भविष्य को उज्जवल बनायेगा कि नहीं? ये सब जानकारी हम क्षेत्रीय किसान ग्रामीणों के दें। हमें पूर्ण जानकारी देने की कृपा करें।

6. **श्री गोपीराम साहू, ग्राम–सिपाही** :– हम लोगों का फसल डायरेक्ट एथेनॉल कंपनी लेगा कि क्या कोचिया के माध्यम से लेगा? बैलेंस हमारे खाता में आयेगा या कैसा टाईप आयेगा ? इसका जानकारी दे और यहां का पढ़ा–लिखा बेरोजगार घूम रहा है इनको रोजगार मिलेगा या बाहर से लायेंगें।

7. **श्री संजय परिहार, ग्राम–मदनपुर** :– हम लोग अभी खुद कनफ्यूज है। मैं भारतीय किसान संघ से कार्यकारणीय सदस्य हूँ। अभी तक लोग ये समझ नहीं पाये हैं कि वास्तव में क्या होने वाला है? कोई कहते हैं कि शुगर फैक्ट्री खुलेगा, कोई कहते हैं कि एथेनॉल का फैक्ट्री खुलेगा, आखिर कुल मिलाकर के क्लीयर तो हो, तो प्रश्न हम करें, पहले यही क्लीयर तो हो जाये वास्तव में हो क्या रहा है? मैं यही सुन रहा हूँ आधे लोग बोल रहें है कि एथेनॉल का प्लांट खुलने वाला है और आधे लोग बोल रहें है कि शुगर का का प्लांट खुलने वाला है। उस हिसाब से प्रश्न होगा जब समझ में आ जाये।

8. **श्री शिवप्रताप सिंह ठाकुर, ग्राम–जैतपुरी** :– यदि हमारे क्षेत्र में एथेनॉल प्रोजेक्ट खुलता है तो किसानों के लिए बहुत ही लाभदायक सिद्व हो सकता है, क्योंकि हमारे बहुत से युवक लोग बेरोजगार हैं रोजगार का अवसर मिलेगा, क्योंकि जो हमारा मुंगेली जिला है छोटा जिला है। उद्योग यहां बिल्कुल नहीं है, एक पथरिया के आसपास में है, क्योंकि हमारे मुंगेली तहसील में स्थापित होता है तो किसानों के लिए भी यह फायदेमंद सिद्व हो सकता है। जैसे एथेनॉल का जो प्रोजेक्ट होता है, जैसे रॉ मटेरियल से होगा और धान के मटेरियल से भी होगा जो धान सडता है। गवर्नमेंट का रूल मतलब होगा साथ ही साथ किसानों का इसमें फायदा होगा। मैं चाहता हूँ कि ये जो प्रोजेक्ट है हमारे क्षेत्र के स्वागत योग्य है।

9. **श्री राम प्रसाद, ग्राम–तुलसीकांपा** :– हमारे यहां सेतगंगा में पानी का बहुत समस्या है। पर्यावरण म ऐखर समस्या नई आवय। फैक्ट्री ल खुलना चाहिए। फैक्ट्री खुले म सब ल काम–धंधा मिलही व फायदा भी होही।

10. **श्री भूपेन्द्र चंद्रवंशी, भारतीय किसान संघ कुण्डा** :– मैं एक प्रश्न करना चाहता हूॅ कि एथेनॉल खुलता है तो उसमें किसानों को क्या फायदा होगा, लेकिन साथ में शुगर कारखाना होगा तब किसानों को ज्यादा फायदा होगा। मेरा यही मानना है।

11. **श्री हीरा सिंह कश्यप, ग्राम–सेमरकोना** :– मैं एक किसान हूॅ हमारे क्षेत्र में ये एथेनॉल फैक्ट्री एवं शुगर फैक्ट्री आनें वाला है मैं उनको बहुत–बहुत बधाई देता हूॅ। प्लस हमारे क्षेत्र में रोजगार की कमी है इसमें रोजगार मिलेगा। इस क्षेत्र में पानी का समस्या है। पानी अधिक थोड़ी लगेगा इस फैक्ट्री में, प्लस किसानों से व्यवहार कैसा रहेगा? इनका व्यवहार फैक्ट्री लगने के बाद दूसरा हो जाता है, ऐसा सुनने में आया है कि इसमें गंदा पानी निकलता है जो किसानों के फसल के लिए नुकसान है। इसके बारे में जानना चाहता हूॅ।

12. **श्री मनोहर यादव, ग्राम–सहारनपुर** :– किसान के संग सेवक के रूप में काम करता हूॅ। ऐखर से उम्मीद जगा इस क्षेत्र में एथेनॉल फैक्ट्री खुलने वाला है। भारत विकास के यहां जब एक औद्योगिक क्रांति आई पहली मर्तबा यहां फैक्ट्री खुल रहा है। एक सकारात्मक इस क्षेत्र के विकास के लिए पहल है लेकिन कुछ लोग का कहना है कि फैक्ट्री ओपन होने पर जो वेस्ट मटेरियल है, जो गंदा पानी है, इस क्षेत्र के लिए नुकसान दायक होगा। साथ ही 01 लीटर एथेनॉल में समथींग 300 लीटर पानी लगता है, तो पानी की आपूर्ति कैसे होगी? ऐसे में आप सब को अवगत कराना चाहूंगा कि ये क्षेत्र वृष्टि छाया क्षेत्र में आता है और पानी के लिए बहुत ही विकट संकट स्थिति रहती है, यहां तो इसको विशेष ध्यान देना है कि पर्यावरण बराबर बना रहे, पानी के जल स्तर की स्थिति बराबर बनी रहे साथ ही इस क्षेत्र 75 प्रतिशत लोगों को काम मिलना चाहिए। 75 प्रतिशत लोगों को कुछ ऐसे कर्मचारी होते है जो मशीन को ऑन करना चालू करना, पॉशीबल नहीं है इस क्षेत्र के लोगों को रख सकते है लेकिन 75 प्रतिशत लोगों को काम मिलना चाहिए, ऐसा मेरा कहना है बाकी आप सब का स्वागत है यहां।

13. **श्री एम सिंह बारमते, सभापति जनपद पंचायत मुंगेली, ग्राम–मुंगेली** :– हमर क्षेत्र म ए जो फैक्ट्री खुले के कार्यक्रम रखे गये हे हमर क्षेत्र म त मैं अवगत कराना चाहत हव के हमर क्षेत्र के जेन थाना प्रांगण से खोलना चाहत हव, ये क्षेत्र में सबसे ज्यादा गरीब और दलित वर्ग के लोग हे, जो यहां राज करत हे। अउ आज ये क्षेत्र म प्लांट लगत हे, ये तो बहुत अच्छा बात हे कि प्लांट बनत हे, लेकिन प्लांट के विरोध भी हे, सब के साथ विरोध करे जाथे। जईसे कि यहां प्लांट बनत हे, यहां 80 से 85 प्रतिशत गरीब लोगन हे जो दलित वर्ग के लोग हे ये क्षेत्र म उमन ल पूरा काम में लगाय जाये। ई–स्टाम्प पेपर में लिख के दिया जाना चाहिए सामने वाले पार्टी के तरफ से तब तो स्वीकार हे नहीं ंत ये स्वीकार नई हे। आज अगर यहां पर गरीब लोग हे त अपन जमीन ला दे दिये प्लांट खुले बर अऊ वो जमीन म हमर क्षेत्र म फैक्ट्री खुले के बाद हमर क्षेत्र के भाई, दीदी–दाई मन ल काम नहीं मिलत हे त ये फैक्ट्री खुले के कोई मतलब नई हे। यहां पर मशीन चलाये बर इंजीनियर 15 से 20 प्रतिशत लोग आप बाहर से ला सकते हो, आऊट सोर्सिंग हो सकत हे बाकी जो लेबर का काम है या छत्तीसगढ़ीया भाई मन के काम हे ये काम म आप मन ल लेना पड़ही, तब तो फैक्ट्री यहां खुल सकत हे नही ंतो छत्तीसगढ़ीय भाई मन के हक के लिए चाहे जान देना पड़ही, चाहे कुछ भी करना पड़े करबो।

14. **श्री भरत साहू, ग्राम–अटरियाखुर्द–कान्हाकोट** :– ये एथेनॉल प्लांट जो गन्ना के प्लांट खुलत हे करके मोला जानकारी होये हे त मैं मंच साझा करे बर आये हव। ये मेर जो कबीरधाम के गन्ना किसान हे ओ मन बहुत ज्यादा सम्पन्न होये हे। मोला अच्छे तरीके से मालूम हे पण्डरिया म भी खुले हे। ओखर से पंण्डरिया ब्लॉक के पूरा किसान संपन्न होये हे। ऐखर फायदा सबो किसान मन ला होही। त ऐला सब ल सहयोग करना हे। बहुत सारा आप मन किसान मन के बारे म भी अवगत हव। कंपनी के डायरेक्टर महोदय जी ल अवगत कराना चाहत हव के ये क्षेत्र में महोदय जी बोलिस हे कि एस.टी.–एस.सी. के जनसंख्या बहुत अधिक हे। ये सही बात हे। सब गरीब तपके के किसान भाई हे, इमन के रोजगार कंपनी म मिलना चाहिए। कम से कम 75–80 प्रतिशत गरीब किसान हे वो युवा मन बेरोजगार घूमत हे। ओला महोदय जी से निवेदन हे कि जो क्षेत्र के युवक है, बेरोजगार है कंपनी म काम मिलना चाहिए। काम खुले से रोजगार बढ़थे। रोजगार बढ़े से आमदनी बढ़थे। कॉम्पटिशन नई होवय त गुड़ फैक्ट्री वाले मन ह भाव ल गिरा के देथे त किसान मन के नुकसान होथे। आप किसान भाई मन से भी अपील हे कि आप मन सहयोग प्रदान करव। जो हमर

युवक बेरोजगार हे, ऐखर बारे म डायरेक्टर से बात करव। एम.डी. से बात करो, कंपनी के सहयोग करव। एक ठीक अऊ बात बोलत हव डायरेक्टर महोदय जी से, जइसे सरकारी प्लांट म किसान मन ल शेयर दे के रखे गये हे मोर निवेदन हे कि शेयरधारी किसान रखीहव त ओमे किसान भी अपन अधिकार ल मांगे के मांग रखही ताकि कंपनी फैसला ले बर स्वतंत्र मत रहय ताकि किसान मन शेयरधारी रईही, शेयरधारी किसान मन ल कंपनी म फायदा होही। तब सब किसान मन ला फायदा होथे। ये दो–तीन ठन मोर मांग हवय। बहुत अच्छा कंपनी खुलत हे। जहां–जहां कंपनी खुले हे। जइसे पूर्व म हमर लोहा के कारखाना खुलीस। त भिलाई म जतका कर्मचारी हे आज बहुत उमन के पूर्वज ल लाभ मिले हे। ओखर आने वाला मन ल फायदा मिलीस हे। तो ये कंपनी खुलना चाहिए। भैया जी बोलिस ऐखर ऐमा किसान मन ल आप शेयर बांटे के आप मन काम करव। किसान मन आपके सहयोग करही। मोर बात ल आप नोट करीहव। जो हमर दू–तीन ठोक मांग हे महोदय जी आपसे निवेदन हे जो हमर शिक्षित बेरोजगार हे लड़की–लड़का मन ल रोजगार मिलना चाहिए और किसान मन ल शेयर भी मिलना चाहिए और कंपनी खुलना चाहिए कंपनी खुले से लोकल ल फायदा होथे। मोर पुराना गांव सहारनपुर के वहां के किसान भी हवव। वहां मोर 10 एकड़ म गन्ना हे, पहले हमन कोदो, राहर बोवन, बहुत गरीबी जीवन जीये, जब से कंपनी खुलिस भोरमदेव शक्कर कारखाना त हमन पूरा 10 एकड़ म गन्ना बोये ल चालू करे हवन त आज हमर सहारनपुर म 01–02 लाख मा जमीन बिकय आज जमीन के कीमत पचासो लाख हे। कोई किसान जमीन बेचे बर तैयार नई हे। आज जमीन खरीदे बर पैसा लेकर घूमथे। आप मन सहयोग प्रदान करा, कंपनी खुलथे जरूर क्षेत्र म फायदा होही। विशेष रूप से मैं निवेदन करत हव। आप अधिक से अधिक संख्या में किसान भाई सहयोग करें। बार–बार मैं शेयर के बात करत हव कि हमन शेयर बर तैयार हन जहां शेयर नई लगही हमर ओमा बोले के, बताये के अधिकार नहीं रईही। त जैसे भी आप निर्धारित करीहव 1000 से 5000 से शेयर दे बर सब किसान तैयार रईही। ओला सम्मिलित करीहव ताकि किसान कंपनी के भागीदारी रहय।

15. **श्री कन्हैया गुप्ता, ग्राम–सेतगंगा** :– क्षेत्र के लिए विकास के लिए, रोजगार के लिए यह जो खोला जा रहा है, मेरा जहां तक समझ में आता है मैं इस कंपनी के बारे में ज्यादा डिटेल कुछ जवाब जानना चाहता हूँ कि इस क्षेत्र में खुलने से हमको क्या फायदा होगा? क्या नुकसान होगा? ये मैं विस्तार से समझना चाह

रहा हूॅ, जैसा कि आपके कंपनी को चलाने के लिए प्रतिदिन कितना लीटर पानी की जरूवत होगी? जो अपिशिष्ठ निकलेंगे वे कहां से निकलेंगे? कैसे निकलेंगे? आप कैसे रोजगार देंगे? रोजगार लोगों को पैसा कैसे देंगे? हमारा कहने का मतलब है दो पैसा कंपनी को फायदा मिलता है तो दो पैसा हमारे क्षेत्र को भी फायदा मिलना चाहिए। सारे बेरोजगारों को रोजगार मिलना चाहिए। एक नियम कानून के तहत् सबको विकास रोजगार मिले एक क्राईट्रेरिया बनाया जाये। जिसमें सबको समझाया जाये क्या होता है कंपनी? सबको लगता है हमको भी रोजगार मिलना चाहिए, जिनका भी खेत है, पढ़ा भी नहीं है उनको रोजगार मिलना चाहिए। उसका एक क्राईट्रेरिया तैयार किया जाये की किस तरीके से सरकार से हमको रोजगार मिले? कैसे हमारे क्षेत्र का विकास हो? क्षेत्र के विकास के लाभ के साथ–साथ हमको हॉनि भी मिलेगा। ऐसा भी नहीं कि हम सिर्फ लाभ को देखे हमारा क्षेत्र का विकास भी हो। बाई चांस हम लोग मानते है कि प्रतिदिन यहां से जितना लीटर भी पानी की खपत होगी हो सकता है हमारे क्षेत्र में सूखापन हो, सारे किसानों को तकलीफ हो, तो सामने वाले कोई व्यक्ति खड़ा करे जो मेरे सवालो का जवाब दे सकें। मैं चाहता हूॅ सामने आये मेरे थोड़े–थोड़े प्रश्न के बारे में जो दुविधाए हैं खत्म करें। मैं समझ सकूं कि आपके कंपनी खोलने से हमारे क्षेत्र में विकास हो हो रहा है उसका फायदा कहां तक मिलेगा? कैसे मिलेगा? और क्या नुकसान होगा? क्या–क्या चीज से आप क्या बनायेंगे? क्या अपशिष्ठ पदार्थ निकलेगा? वो जायेगा कहां? आस–पास के जो पर्यावरण को नुकसान होगा व लोगों को सांस की तकलीफे होगी या हम किसी भी प्रकार की बीमारी नहीं चाहते है, कि दो पैसा कमाने के लिए कंपनी आई है। अच्छी बात है हमारे क्षेत्र का विकास हो। कहने का मतलब ये है कि विकास के साथ–साथ लोगों के सेहत का भी ख्याल रखा जाये। उनके कृषि जीवन में कहीं प्रकार से भी किसी भी तरह से विकास में गडबड़ी नहीं आये। उनका कृषि का विस्तार प्रतिदिन बढ़ता रहे। मेरा ये कहना है थोड़ा सा मैं डिटेल समझना चाह रहा हूॅ कि कंपनी किस चीज की है? ये कैसी बनेगी? वो अपशिष्ठ प्रदार्थ कहां से निकलेंगे? उनका लाईट का खपत कहां से होगा? क्या वो लाईट का खपत हमारे वोल्टेज में तो नहीं पडेगा? हमारे गांव को थोड़ी प्रभाव पड़ेगा, ये कितने रेंज तक जायेगा? कितने एकड़ भूमि में कंपनी जायेगी? इसमें कहां–कहां तक के लोगों को लाभ पहुचेगा। मतलब एक ऐसा टीम तैयार करके लोगों के वो सारी जितने भी मन में प्रश्न चल रहे है जैसे आपको कहीं से एन.ओ.सी. मिला होगा। उसका भी तो गाईड लाईन होगा जो साईन करके दे रहा होगा, हो सकता है कोई पैसे के लालच में साईन

करके दिया होगा, कोई समझ के साईन करके दिया होगा। कोई किसी दबाव में साईन करके दिया होगा, तो मेरा कहने का मतलब है कि एन.ओ.सी. का भी एक रिजन होना चाहिए, आप एन.ओ.सी. किस आधार पर दिये है? कहने का मतलब है कंपनी चलना चहिए। हम चाह रहे है हमारे क्षेत्र का विकास हो लेकिन इसमें सारे किसान किसी भी प्रकार के तकलीफ में न आये सब अपना जीवन यापन करें। सबको रोजगार मिले और कंपनी अच्छे से चले। मैं चाह रहा हॅू हमको सारा डिटेल प्रोवाईड करें ताकि लोगों के मन में दुविधायें है, उपरी–उपर चल रही है कई सारी बाते है, हमको ऐसा मिलेगा, हमको वैसा मिलेगा। कोई शेयर की बात करता है, मैं समझता हॅू शेयर रहना ही नहीं चाहिए। जो इनवेस्ट करता है वो शेयर पाता है। लोगों को कोई दुविधा में नहीं रखा जाना चाहिए। हमको सारी स्थिति एक माध्यम से, एक रिकार्डिंग के माध्यम से या पेपर के माध्यम से डिटेल से समझाया जाये, कहने का मतलब विरोध जरूरी नहीं है। हमारे क्षेत्र का विकास हो, हमारे सारे किसानों को भविष्य में समस्या न हो न किसी प्रकार की बिमारी फैले। सब स्वस्थ्य रहे, सबका विकास हो, सबको रोजगार मिले। एक प्वाइंट तैयार किया जाये उसके तहत् काम किया जाये।

16. **श्री अनिश सेमुवल मसीह, ग्राम–कैथ–नवागांव** :–मैं भी किसान हॅू कैथ–नवागांव पंचायत का। अभी तक मैंने सुना है 98 प्रतिशत लोगों का कहना है कि खुलना चाहिए। बड़ी अच्छी बात है खुलना चाहिए लेकिन इस स्तर में जो बात हो रही है उसके तहत् बात मुझको जायज नहीं लग रही है। देखिये सरकार के दिमाग में ये बात आ गई है कि एथेनॉल की फैक्ट्री खोलना है तो कहना कोई औचित्य नहीं है इसका एक फॉरमेल्टी के रूप में ये कार्य हो रही है। मैं जानता हॅू खासकर मैं छत्तीसगढ़ के किसानों को मैं ये बोलना चाहूंगा कि भले मेरी बात आपको खराब लगेगी परंतु हम किसानों में वो दम नहीं है जो पंजाब, हरियाणा के किसानों में है। विरोध प्रर्दशन करना चाहते हो तो इस तरह से मत करो भाईयो, सबको मिलकर अच्छा सुयोजित तरीके से कार्य को करना है तो करो इस टाईप से कोई औचित्य नहीं है। हम भी इस बात को बोलेंगे की खुलना चाहिए। ग्रामवासियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। एथेनॉल से बहुत ज्यादा दुषप्रभाव हमारे आस–पास 10 किलोमीटर के रेंज पर होगा। ये मैं अच्छी तरीके से जानता हॅू पर मैं इस पर ज्यादा बोलना नहीं चाहूंगा। किसान भाई लोग आज सब पढ़े–लिखे हुये है। सब गूगल और नेट से जुड़े हुए

है। इसके प्रभाव को भी देख सकते है और इसके उपयोग को भी देख सकते है। आपके जीवन में इसका क्या–क्या प्रभाव होगा आप भी देख सकते है।

17. **नामा0, ग्राम–सिंघनपुरी** :–ये जो कारखाना खुल रहा है। वो खुलने से हमारे किसानो को क्या फायदा होगा? और क्या नुकसान होगा? इसको कंपनी के तरफ से कोई बताये हैं क्या? पहले बताईये खुलने से हमारे किसानो को क्या फायदा होगा? और क्या नुकसान होगा? बताईये कौन बतायेगा? महोदया एक बार फिर बता देंगे तो क्या होगा? किसी भी चीज के बारे में हम जानते ही नहीं तो अच्छा बुरा क्या जानेंगे? बंद कीजिए सुनवाई जब आप हमको कोई बात का उत्तर ही नहीं दे सकते तो बंद कीजिए, बंद करो आप। महोदया मैं आपसे सिर्फ एक ही निवेदन कर रहा हूँ। मैं ये कह रहा हूँ हम आपसे क्या मांग रहे है? क्या अच्छा और क्या खराब है ये बता दीजिये। पहले बताये थे उस समय आदमी नहीं आये थे, अब आप बता दीजिये।

ग्रामीणों के द्वारा इस प्रकार परियोजना के संबंध में पुनः विस्तृत जानकारी प्रदान करने हेतु क्षेत्रीय अधिकारी महोदया से अनुरोध किया गया। जिस पर क्षेत्रीय अधिकारी महोदया द्वारा परियोजना प्रस्तावत की ओर से उपस्थित पर्यावरणीय सलाहकार एवं परियोजना प्रस्तावक को प्रस्तावित परियोजना के संबंध में पुनः विस्तृत जानकारी प्रदान करने के लिए निर्देशित किया गया। जिस पर परियोजना प्रस्तावक एवं उपस्थित पर्यावरणीय सलाहकार द्वारा परियोजना के संबंध में विस्तृत जानकारी तथा लोक सुनवाई में आये ग्रामीणों द्वारा सवाल–जवाब के माध्यम से भी जानकारी दी गई।

18. **श्री नीलमणी कुर्रे, पंच, ग्राम–पालम** :–हमारे यहां जो फैक्ट्री खुल रहा है। इसी वार्ड का निवासी हूँ। यहां फैक्ट्री से बहुत नुकसान है इसलिए यहां फैक्ट्री नहीं होना चाहिए।

19. **श्री हेमंत टोण्डे, ग्राम–बिचारपुर** :– जो ये कंपनी डाला जा रहा है उसमें हमारा पूर्ण विरोध है। पहले बात तो ये है पिछले साल मई 2025 में हम बाहर से पानी लाकर अपने बच्चे का भरण–पोषण करें है। रेड्डी कंपनी सड़क निर्माण कराया था 05 साल पूर्व, उसने ग्राम पंचायत बोदा में पत्थर खदान खोदा है। एक पत्थर खदान खोलने के बाद ये पूरा क्षेत्र का पानी डाऊन हो गया है। इसी ग्राम में आप जहां बैठे है वहां बोर खनन के बाद मशीन सेतगंगा, पालम, खैरा

में बंद हो गया। अब आपका एथेनॉल फैक्ट्री लग रहा है। पानी का जरूवत है कहां से पानी लयेंगे? नीचे पानी लेवल डाऊन हो जायेगा। पिछले साल धान बोने के लिए खुद मना किये थे। किसान नहीं मानें लास्ट वही परेशान हुये। दूसरी बात ये बोल रहे है ये हम लोगों को नौकरी दिलायेंगे। इनके नौकरी के लिए पढ़े योग्य आदमी तो नहीं है। दूसरी बात हमारे भारत देश में छत्तीसगढ़ में पूर्व से दारू भट्ठी का चलता था ठेकेदारी और दारू भट्ठी का चलने के बाद बिहार का आदमी यहां आकर दारू भट्ठी में काम करता था। वहीं स्थिति यहां होगा। यहां ये फैक्ट्री खुलेगा। यहां आदमी लायेगा, हम गरीब किसान है पड़ती जमीन को खोदकर कृषि उपज के लायक कृषि योग्य हम खेती तैयार किये है। इसमें कोई कंपनी नहीं खुलना चाहिए। यदि उसको खोलना भी है तो पंडरिया इलाके में जाये। शासन अगर खोलवाना चाहता है इच्छा से हम शासन के सहयोग में है। शासन भी खोलवाना चाहता है कंपनी को वहां डाले बहुत सारा जमीन है, बड़ा–बड़ा पड़ता जमीन है। हमारे कृषि उपज क्षेत्र में किसी प्रकार का व्यवधान नहीं होना चाहिए।

20. **डॉ. सुरेश केशरवानी, ग्राम–सेतगंगा** :–आज यह जो कार्यक्रम रखा गया है पर्यावरण विभाग द्वारा बहुत सी बाते हुई है और होते रहेगी। कुछ भी कार्यक्रम होता है जब उसके दो पहलू होते है नाकारात्मक होता है और सकारात्मक भी होता है, लेकिन इसमें हमको देखना ये है कि ये फैक्ट्री के लगने से किसान भाईयों को क्या–क्या लाभ हो रहा है? कितना लाभ हो रहा है? पर्यावरण को कितना नुकसान हो रहा है? जब तक कोई देखे नहीं रहते है समझ में नहीं आता है हम लोग को एक तो इण्डस्ट्रीज वाली बात मुंगेली जिले के लिए सबसे बड़ी बात है कि आज ये पहला इण्डस्ट्रीज आया है। इसमें जो भी बाते हैं वो तो शासन–प्रशासन से मंजूरी मिल चुकी है। ये जन सुनवाई का जो कार्यक्रम है उसमें ये सब बाते किसान भाई लोग रखे है जिनको चिंता है, जैसे उनको लगा कि इस समय ये सही ढंग से होता है करके बाकी इन लोग भी किसानी करते है। हमारा गन्ना बहुत नजदीक में और बहुत सहुलियत से बिक जाये इससे बहुत बड़ी बात तो हो नहीं सकती, क्योंकि यहां धान के सिवाय कुछ नहीं हो रहा है। जैसे आपको बताये हैं हमारे पूर्व वक्ताओं ने ये चना, सोयाबिन और दूसरे फसल होते थे बिल्कुल जीरो में चला गया है। एक फसल 12 महीने और एक फसल सिर्फ गन्ना ही है और नजदीक में हम आर्थिक स्थिति को सुधार सकते है। बाकी भाईयों ने अपना विचार रखा। बाकी मैं तो संतुष्ठ हूॅ बाकी पर्यावरण में कितना नुकसान होता है आने वाला पर्यावरण ही बतायेगा। इसके

लिए मैं अधिकारियों के लिए भी निवेदन करूंगा कि इन सब बातों का ध्यान में रखते हुए इनको पर्यावरण का सार्टिफिकेट जारी किया जाये।

21. **श्री हेमंत कुमार, ग्राम–सिपाही** :–मेरे गांव में विकट समस्या आने वाली है, जिसको लेकर मैं चिंतीत हूॅ। मेरे पूरे ग्रामवासी चिंतीत है। उसी के संबंध में चर्चा करना चाहूंगा। मेरे ग्राम के जो मुख्य मार्ग है। सिपाही से लगभग 10 फीट का रोड है 200 से 300 बच्चे प्रतिदिवस आवाजाही करते है, स्कूल व कॉलेज आना–जाना करते हैं, जो महिलायें हैं आती–जाती हैं, जो आस–पास के किसान है व अन्य लोग हैं पूरी तरह से मुंगेली जिले पर निर्भर है। उनका समस्त आवाजाही है। उस स्थान पर शराब दुकान खोला जाना एक प्रकार से मानवता की दृष्टिकोण से देखा जाये तो अनैतिक है। सनुवाई के लिए हम पिछले मंगलवार को जब पहुंचे थे तो वहां से आदेशित किया गया कि ग्रामवासियों को सुना जाये करके लेकिन ग्रामवासियों की कोई सुनवाई नहीं हुई। अभी तक उस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। समस्त ग्रामवासी चाहते है कि उस पर कार्यवाही हो और जल्द से जल्द प्रस्तावित प्रोजेक्ट है उसे बंद किया जाये। कही न कहीं से आने वाला सिपाही गांव और आस–पास के गांव प्रभावित होंगे। आने वाला भविष्य असुरक्षा के दृष्टिकोण से देखा जायेगा उस पर त्वरित कार्यवाही की जानी चाहिए और इसी के संबंध में हम अभी सूचना देकर आये है। मुंगेली कलेक्ट्रेट में कलेक्टर परिसर का घेराव भी करेंगे क्योकि शासन स्तर पर देखा जाये तो उचित कार्यवाही जो होनी चाहिए थी वो कार्यवाही नहीं हो पा रही है। हम चाहते है कार्यवाही हो तहसीलदार यादव जी भी पहुंचे थे। कार्यवाही देखे तो वो एकपक्षीय कार्यवाही हुआ गांव वालो का सुना ही नहीं गया केवल एक पक्षीय सुनाकर निकल गये। कह रहे थे कि गांव वाले हम पर दबाव बना रहे है। तरह–तरह की बाते बोलकर एफ.आई.आर. करके फंसा देंगे ये कर देंगे वो कर देंगे डरा–धमका के वहां से निकल लिये वहां से वास्तविक स्थिति जो गांव वाले झेल रहे है इस समस्या को आने वाली को जो चिंता है इस पर शासन–प्रशासन पर निवेदन है। आस–पास के हमारे ग्रामवासी व निवासी है उनसे निवेदन है कि कल के डेट में हम जो कलेक्ट्रेट घेराव कर रहे, अबकारी विभाग कार्यालय का घेराव कर रहे है उसके लिए सहमत करे और साथ में शासन–प्रशासन से निवेदन है कि ठोस कार्यवाही हो जल्द से जल्द हो। एथेनॉल के बारे में क्या विचार है तो मैं बोलूंगा कि पहली बात तो गन्ना उत्पादन में सर्वाधिक पानी का है गन्ना हो या धान हो इससे हमारा जो जमीनी जल स्त्रोत है उसको बहुत नुकसान हो रहा है। लगातर

हमारे क्षेत्र का जल स्तर गिरते जा रहा है, और गिरते जायेगा। गन्ना उत्पादन के लिए अत्यधिक पानी की आवश्यकता होती है और उस कमी के बावजूद जब ऐथनॉल बनाया जायेगा तब भी अत्यधिक पानी की आवश्यकता होगी। मेरा मानना है इस पर गहरी चिंता व्यक्त करनी चाहिए। सोच विचार करना चाहिए। क्या होना चाहिए? क्या नहीं होना चाहिए? प्रतिवर्ष यहां देखने को 10 मीटर से 20 मीटर जल स्तर गिरते जा रहा है और ये काफी चिंतनीय है। पहले जो जल स्तर था आज से 10 साल पहले की बात करूं तो 30 से 90 फीट था, पर आज 300 से 400 फीट है जिस पर पानी नहीं मिल पा रहा है और अभी 600 फीट तक पानी नहीं मिल पा रहा है और यहां आस–पास नदियां भी नहीं है। कोई बांध भी नहीं है तो पानी की भी समस्या गंभीर होने वाली है इस पर भी चिंता जाहिर करें।

22. **श्री परमेश्वर बारमते, ग्राम–सिरतौली** :– इस क्षेत्र मैं 2011 से 2015 तक काफी वाकिफ हूं।। इस एरिया में काफी पानी की किल्लत है। फैक्ट्री वाले सर लोग मिले थे गन्ने के बारे में अच्छी जानकारी दे रहे तो मैं सहमत हो गया था उसमें लेकिन पानी की ज्यादा जरूवत है इनको तो मैं एथेनॉल के लिए विरोध करता हॅू। शुगर फैक्ट्री लग रहा है उसमें आपत्ति नहीं है लेकिन एथेनॉल के लिए जो प्लांट लग रहा है उसके लिए मैं विरोध करूंगा व साथ नहीं दे पायेंगे इस एरिये के किसान क्योंकि गर्मी के दिनों में बहुत ज्यादा किल्लत हो जाती है इस एरिया में क्षमा चाहता हॅू आप शुगर फैक्ट्री लगाये हम आपका समर्थन करेंगे। गन्ना भी देंगे, एथेनॉल के लिए स्वारी चाहते है। इसको हम सपोट नहीं कर पायेंगे।

23. **श्री मुन्ना तिवारी, ग्राम–शीतलकांपा** :– यहां पर सब भाई लोग पानी–पानी कर रहे है। किसी के घर में कोई वॉटर हार्वेस्टिंग नहीं लगाये है। जब स्नान करना होता है तो हम लोग ट्यूबवेल चालू करके 15 लीटर के जगह 50 लीटर पानी उपयोग कर रहे है। पानी जबरदस्ती बहा रहे है अच्छी बात है अपनी सोच है। काम करने का ढंग है। अब इसका विरोध करना है तो अलग विषय है। उसका भी कुछ विकल्प होगा। चाहे आप पानी स्टोर कर सकते है। रही बात पानी की तो पानी प्राकृतिक है। कंपनी वाली की गलती है न हमारी गलती है। उसको उपयोग कैसे करना है कहां से बचाना है। उसको देखना हमारा काम है और ये अच्छी बात है हमारे यहां जैसा भी है छोटा कुछ तो रोजगार मिलेगा। गन्ना बेचते है अब इन्हीं लोगों को बेच देंगे। परमेश्वर भाई फैक्ट्री डाला तो पैसा नहीं

दे रहा है। फैक्ट्री डाला करोड़ो खाकर चला गया। कम से कम फैक्ट्री रहेगा तो कुछ गन्ना बिकेगा। विकास होगा तो थोड़ा विनाश होगा। हम तो चाह रहे हैं सबका भला हो। अच्छी बात है, विरोध करना है करें हम क्या करें। बोलने का अधिकार है जिसको जो बोलना है बोले।

24. श्री पंडित जैत कुमार शर्मा (शास्त्री जी) :– ये जो आप कार्यक्रम रखे हव जिला स्तरीय अपन–अपन सुझाव दे के। ये एक व्यक्ति या फास्टरपुर पंचायत, सेतगंगा, सिपाही की बात नहीं है। कोई भी जगह कारखाना खुलही पानी लगही। नरेन्द्र लुनिया खा के पत्थरा फोड़ के चले गये आज तक के कौन क्या किया? पहले बताओं नेताजी मन हव। कारखाना खुलत हे जमीन अधिग्रहण करे हे किसान मन जमीन बेचे हे मैं ये कहना चाहत हव दोनो हाथ जोड़ के आप मन ला मोर आवाज ऊंच हे आत्मा से बिल्कुल नम्र बोलत हव। कठोर हे वाणी बहुत कठोर हे मैं आप से निवेदन करना चाहत हव जो पहले किसान 17 एकड़ जमीन बेचे हे जब कंपनी डाली कहीस त रजिस्ट्री काहे बर कराईस, दूसरा विषय जो कुछ हो गय कोई प्रकार से किसी का नुकसान होना है किसी को फायदा होना है। ये सब नुकसान–फायदा देखते हुये भाई अपन–अपन किसान के गन्ना खुलत हे। मोर 15 एकड में गन्ना हवय दूर मा बेचे जाथव त का मोला फायदा हे। ऐसे नहीं 50 ला फायदा मिलही। अगर 100 झन के कल्याण होने में हमर एक के उपर जाये मा कल्याण हो सकत हे त बहुत अच्छा हे मोर सुझाव हे। बढ़िया गन्ना के कारखाना के कारखाना खुलना चाहिए। केमीकल म सब झन के नुकसान हे, पर्यावरण के कोने प्रकार से नुकसान होये ऐसे टाईप के नहीं होना चाहिए। बात करे के सब के अधिकार हे दादागिरी कोई नहीं कर सकय। ये छत्तीसगढ़ हे ध्यान देहव। भारत के वासी है भारत के कोई भी कोना में जाकर डंके के चोट में बात कर सकथन। मोर कोई कहना गलत हे त मैं हाथ जोडकर कर निवेदन करना चाहत हव जो हमर बंधु मन ला जो हमर सेतगंगा से हे, फास्टरपुर से हे, अन्य गांव से आए हे ऐसे नहीं कि ये सब के कार्यक्रम नहीं है सब झन ला सम्मान करना चाहिए। मैं आप मन से हाथ जोड़ कर निवेदन करत हव कि ऐसे कटुवाणी नहीं बोलना चाहिए। जितना जो अधिकारी गण आये है ये काहे बर आये है ये आप मन के सम्मान करे बर आये हे। आप मन से बार– बार निवेदन हे कि हमर क्षेत्र के विकास होही। विकास होना चाहिए बढ़िया कोई भी कारखाना फैक्ट्री ये सब रईही त लईका मन ल रोजगार मिलही। रही बात दारू भट्ठी बंद करें के त रोड़ कोती से पढ़ईया लईका आबे करही के बात नहीं है। जहां शासन के जो होही नियम, नियम के

तहत् खुलना चाहिए। जो विरोध होवत हे अलग मेटर हवय, शासन सोच के प्रशासन भी सोच करके अपन तरीके से दे होही। ये हमर किसान मन के बैठक हवय किसान के बात होना हे, आप मन विशेष रूप से सब सहमति से विशेष रूप से सहयोग दो और किसी प्रकार के नुकसान दायक हे त सब मिल कर के बनाये के कोशिश करव। भारत भूमि म सब के बोले के अधिकार हवय, यहां कोई किसी के व्यक्तिगत नहीं सब के अधिकार हे राजा प्रजा तक बोल सकथे। आप मन से यही निवेदन हे कि जब सब को बुलाये हवव त सब के सुझाव और सब के वाणी के सुने के कोशिश करव। ऐसे नहीं कि तू–तू मैं–मैं करके आत्मा ल ठेस पहुचाये के कोशिश मत करहू। आप मन के हाथ जोड के निवेदन हे।

25. **श्री द्वारिका प्रसाद चंद्रवंशी, ग्राम–अंधियारखोल** :– हम लोग सरदार लौह पुरूष कारखाना से जुडे है। वैसे तो पहले हम लोग कबीरधाम जिले के भोरमदेव शक्कर फैक्ट्री में गन्ना आपूर्ति करते थे।

26. **श्री सागर साहू, ग्राम–बछेरा, मुंगेली** :– हमारे मुंगेली जिले में काफी सारी हरी–भरी उपजाऊ भूमि वो सोलर प्लांट के लिए जा चुका है। दिन ब दिन यहां पर सोलर बढ़ रहा है। ये उपजाऊ भूमि है जो उचित नहीं है। जहां तक मेरे समझ में आ रहा है। यहां पर शक्कर कारखाना लगता है तो ये बिल्कुल किसानों के हित में होगा। इससे किसान उन्नत होंगे आगे बढेंगे आज देखिये हमारे किसान स्वयं मानते है कि मुंगेली क्षेत्र व कवर्धा क्षेत्र के किसानों में देखें तो उसके पास 05 एकड़ है और यहां पर 50 एकड़ है तो वे एक दूसरे को देखतें है तो बहुत फर्क आता है। 05 एकड़ वाला किसान 50 एकड़ किसान सें उन्नत दिखता है जो कारखाने का प्रभाव उस किसान के जीवन में दिखता है। मेरा समझ है कारखाना लगना चाहिए। किसानों को उन्नत का माल मिलना चाहिए। काफी सारे बच्चे है जो बेरोजगार हैं उनको रोजगार मिलेंगे और कुछ भी बोलने वाले बोल सकेत है लेकिन किसी के घर के बच्चे के बेरोजगारी को नहीं मिटा सकते। उसको रोजगार देना छोटी–मोटी बात नहीं है। देखिए आस–पास काफी सारे सोलर प्लांट लग चुके है। काफी सारी जमीने है मुझे खुशी है इसी क्षेत्र में एक 150 एकड़ जमीन बिकने वाली थी सोलर के लिए मैनें उस जमीन मालिक से खुद बात किया था। इस गन्ने की फैक्ट्री, शक्कर फैक्ट्री आने के बाद उस किसान मुझसे खुद कहां कि भैया मैं अब नहीं बेच रहा हूॅ, क्यू नहीं बेच रहे हो पूछा तो वो बोला कि भैया यहां कारखाना आ गया है मैं गन्ना लगाउंगा। मुझे इतनी खुशी हो रही है उस आदमी ने 150 एकड़

जमीन बेचेने से मना किया। क्या ये किसानों के लिए उन्नत नहीं है। हमारे किसानो का जमीन बिक जाये बाहर का आदमी आये प्लांट लगाये। उसे अच्छा लगे किसानों को उन्नत का मार्ग मिले। मैं चाहता हूॅ कि ये प्लांट लगे, लोगों को, किसानों को उन्नति का मार्ग मिले। जैसे कवर्धा क्षेत्र के कबीरधाम क्षेत्र के किसान उन्नत है वैसे हमारे मुंगेली जिले के किसान उन्नत हो सभी किसान मैं चाहूंगा कि अच्छी तरह से विचार–विमर्श करें। विचार–विमर्श करके किसी के बहकावे में मत आवे। अपनी समझदारी से अपनी उन्नति को देखते हुए स्वयं डिसीजन दे अच्छी तरह विचार करें। मेरी समझदारी कहती है इसमें उन्नति है। आप अपना समझदारी का परिचय दे। आप अपना उन्नति के मार्ग को प्रशस्त करें।

27. **श्री बालाराम चंद्रवंशी, ग्राम–चारभाटापुर, विकास खण्ड पंडरिया** :– कई बार मुझे राज्यपाल से अवार्ड भी प्राप्त हुआ है। नव युवक कृषि के तरफ से अवार्डेड हूॅ। हमने कई बार अंतर्राजकीय स्तर पर जाकर के शुगर के फैक्ट्री का निरीक्षण किया है। अभी जहां तक हमारे जो व्यक्ता बोल रहे हैं, उससे पहले शायद वो कोई मसीह साहब थे उनके बात से सहमत हूॅ उन्होनें ये कहां किसानों ने जमीन बेच दिया प्लांट लगाने के लिए और कुछ लोग दुविधा की स्थिति में है। फैक्ट्री से नुकसान होगा, जमीन हमारी बंजर हो जायेगी, जल स्तर नीचे हो जायेगा, एक बार किसान जब तक के समझ नहीं जाता है तब तक के वो वहां की उस स्थिति की दुविधा दूर होनी चाहिए। हमने कहां है उनको विजिट के दौरान जहां पर ऐसे संस्थान संचालित है वहां लेजाकर के किसानों से संपर्क कराकर के उनका भरम दूर किया जाना चाहिए। उनका मैं समर्थन करता हूॅ और निमंत्रण देता हूॅ। क्षेत्र पंडरिया और कवर्धा से आप हमारे यहां संचालित दोनो शक्कर कारखाना साथ ही भोरमदेव सरकारी शक्कर कारखाना एथेनॉल से संचालित हमारे किसान संघ के साथी भी है। उनके द्वारा हमेशा से मांग कर रहे है हमारे पंडरिया शक्कर कारखाना जिसकी क्षमता 2,500 मी. टन है। जिसको 5,000 मी. टन की मांग कर रहे है। साथ ही साथ एथेनॉल का प्लांट हमारे पंडरिया में डाला जाना चाहिए क्यों, क्योंकि हमारे द्वारा उत्पादित फसल का सिर्फ गन्ना बनाया जा रहा है शक्कर बनाया जा रहा है। शक्कर बनाये जाने के बाद जो एच.एस. निकलता है उसे एथेनॉल बनाया जाता है। निश्चित रूप से हमारे गन्ना की फसल की कॉम्पटिशन रहेगी और जब काम्पिटिशन बढ़ती है तो प्रतिस्पर्धा होगी तो किसान को सही मूल्य मिलता है। हमारे बाप–दादा के समय से परंम्परागत खेती करते आ रहें हैं जिस समय सिंचाई

का साधन नहीं था तो गन्ना की खेती हमारे पंडरिया क्षेत्र में करते थे। जब प्रदेश में डॉ. साधूराम शर्मा जो केन्द्र में थे तो तथा 1994 में जब मैं सरपंच था उस समय आये थे। उस समय हम लोगों ने मांग किया था महोदय हमारे किसानों का कमर टूट रहा है। गन्ना से गुड़ बनाते–बनाते क्यों ना इस क्षेत्र में शक्कर कारखाना लगाया जाए। डॉ. साधूराम शर्मा ने प्रोजेक्ट तैयार किया और छत्तीसगढ़ सरकार को हैड ओवर किया गया। जो पहले कारखाना के रूप में राम्हेपुर कारखाना खुला। उसमें भी ये बताना चाहता हूॅ कि इसी तरह के कुछ कारखाना पहले पंडरिया में खुलना था। पंडरिया में वो कारखाना खुलना था दिल्ली से टीम आई थी सहकारिता का उस समय सरपंच होने के नाते उस जगह को दिखाया था। 80 एकड़ शासकीय भूमि सहकारिता के माध्यम से होना था। उद्योग विभाग से ट्रांसफर कराया गया लेकिन हमारे जनप्रतिनिधि कुछ गांव के सरपंचों को ये बरगलाया गया ये भम्र पैदा किया गया कि यहां यू.पी., बिहार के लोग आयेंगे लूट–पाट होगा, चोरी–डकैती होगी, गंदगी फैलेगी, इससे आप लोगों का जीवन नरक हो जायेगा ये कहकर के ग्राम पंचायत के प्रस्ताव से उस फैक्ट्री का विरोध किया गया। वो फैक्ट्री पंडरिया के जगह राम्हेपुर में जाकर खुली है। मैं अपनी बात किसानों से शेयर कर रहा हूॅ। भम्र में नहीं डाल रहा हूॅ। वो कारखाना पंडरिया के जगह राम्हेपुर में जाकर खुलती है। 12 साल तक शक्कर कारखाना संचालित होती है मेरे पंडरिया क्षेत्र के वनआंचल के किसान जो कोदो, कुदकी बोते थे 2,000–5,000 हजार का फसल लेते थे वो किसान का गरीबी 12 साल तक चला। जब 2015 में डॉ. रमन सिंह का सरकार था जिस समय हुदहुद का तूफान आया तो किसान के बीच रायपुर जाकर माननीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन किये उस समय आपके इस क्षेत्र के लिए पुन्नूलाल मोहले जी सहकारिता मंत्री से जाकर बात किया तो उस समय एक अलग फैक्ट्री के लिए मांग किये। उस समय स्थल का निरीक्षण किया गया, जिसमें गोरेगांव क्षेत्र से भी किसान आये है। पंडरिया के राम्हेपुर से शक्कर कारखाना चल रहा है उस जगह, मोहतरा, रमतला का जगह दिखाये लेकिन वो जगह सुटेबल लगा जिसे पहले रिजेक्ट किया गया था राजनीतिक कारणों से वो जगह पर कारखाना खुली। आज वहां इंडिया में नंबर वन के रूप में लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई सहकारी शक्कर कारखाना है जिसके जी.एम. श्रीमान् मेघराज जी है। वही मेघराज जी वहां खडा होकर शक्कर कारखाना संचालित करवाया। हमको बड़ा दुख हो रहा है वो फैक्ट्री को छोडकर के इस कंपनी में आ गये है। वो परमानेंट एम्पलाई नहीं है लेकिन हमेशा किसानों के साथ खड़ा होकर के जो 12 साल तक के रिकव्हरी क्या होता है नहीं जानते थे

किसानों को गन्ना का मैक्जिमम सपोट प्राईज क्या है, उसके उपर से 100—120 रूपया अतिरिक्त राशि रिकव्हरी राशि के रूप में दिलायें है। एक बात और बताना चाहता हॅू जब कारखाना की आवश्यकता व क्षमता से अधिक गन्ना बोया गया उस समय पंडरिया का कारखाना नहीं था। जिस समय ग्रव्हमेंट गन्ना खरीदी करके गन्ना को जलाया था फिर भी गन्ना का भुगतान किसानों को किया गया था। उस स्थिति को देखें हैं। बालोद भी इसी तरह धान बोने वाला एरिया था। वहां किसान परंपरा रूप से ग्रीष्म कालीन धान की खेती करते थे। कवर्धा के किसानों को गन्ना फेकना पड गया के हम गन्ना नहीं डालेंगे करके तो हमारे कवर्धा जिले के ही जैसे आज प्रश्न किया जा रहा है जो दूसरे ब्लॉक के लोग आये है। मैं निवेदन करते कहना चाहता हॅू आप के मुंगेली में आपके क्षेत्र में सेतगंगा में बहुत बडा प्लांट खुलता है तो न कि सेतगंगा का विकास माध्यम बनेगा अपितु हमारे पूरे क्षेत्र के लिए कवर्धा जिला, मुंगेली जिला, बिलासपुर जिला सभी लोग लाभान्वित होगें। जैसे की आज मुंगेली के लोग पंडरिया शक्कर कारखाना में गन्ना बेचने के लिए जाते है। यहां के भी किसान वहां के मालिक है वहां किसान भी यहां के मालिक है। विकास के साथ—साथ कुछ न कुछ उसका साईड इफेक्ट होगा मानता हॅू लेकिन फायदा से ज्यादा नुकसान नहीं होनी चाहिए। इस बात का मैं समर्थन करता हॅू। यदि किसानों का उद्धार हो रहा है, किसानों का फायदा हो रहा है व थोडा बहुत नुकसान है तो दूसरे संसाधन दूसरे कंपनी लगता है जिससे आप व्यापार नुकसान होता है तो समझौता कर लेते है लेकिन किसानों के प्रोडक्ट्स से होता तो किसान का फसल ही उसका प्रायमरी इकाई है। उससे यदि कोई भी फैक्ट्री संचालित होगी इसका सीधा—सीधा लाभ हमारे किसानों को मिलेगा। इस पर ध्यान से विचार करने की जरूवत है मेरे क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों को, आप लोग पहले किसान है। हम कोई जनप्रतिनिधि बनेंगे तो एक समय के लिए है बाद में हम किसान के बेटा है किसान ही रहेंगे। इसलिए जिसमें किसानों का ज्यादा भला हो इस पर निश्चित रूप से चिंतन करना चाहिए साथियों इस पर राजनीति की जरूवत नहीं है, लेकिन मैं निवेदन करूंगा आप लोग आईये पंडरिया और कवर्धा दोनों कारखाना का अवलोकन करीये।

28. **श्री नेतराम कांत, ग्राम—उतका** :— मैं किसान का बेटा हूं, मैं उतका का निवासी हॅू, मैं वहां का कृषक भी हॅू। किसानी भी करता हॅू, नागर भी जोतता हॅू। जिस जगह में प्लांट लगने वाला है वहां पर भैस भी चराया हॅू। वहां हल्दी का खेती

करें, अदरक का खेती करे और ज्यादा से ज्यादा खेती करें। ये नहर है, नदी है इसको दुलीपारा में बसना चाहिए।

29. **श्री मानिक सोनवानी, ग्राम–दाबो** :– ये प्लांट खोलने के समर्थन और विरोध दोनों की चर्चा हो रही है। किसान हित में है ना हम सब किसान के सहयोग में है। सवाल ये है कि प्लांट खोलने से पर्यावरण का क्या होगा? हम सब कृषक है। इसमें हम सबको चिंतन होना चाहिए। पर्यावरण शुद्व वातावरण शुद्व होने के लिए फैक्ट्री खुल जाने के बाद, गंदगी फैल जाता है और प्रदूषित हो जाता है। इसमें थोड़ा सा ध्यान आपको रखना होगा। इस क्षेत्र में प्रदूषण के लिए चिंतन करना चाहिए और कृषक हित की बात है गन्ना से हम गन्ना उगायेंगे। पानी की समस्या इस क्षेत्र में है सभी अधिकांश बात ये आया है। नहर का हो या कोई बांध का हो, किसानों की सिंचाई की व्यवस्था करें, क्योंकि ये डेव्हलप एरिया है। ये सब चिंतन शासन को करना है और किसान गन्ना को उगाते है लेकिन उसका परिवहन के कारण किसान गन्ना की खेती बंद कर देते है। सिंचाई की व्यवस्था, सिंचाई के लिए विशेष ध्यान देते है। पर्यावरण का भी ध्यान दे और एथेनॉल का ध्यान दें कोई वैज्ञानिक हो किसानों को समझाये। किसानों को भरोसा दिया जाये कि इसमें कोई नुकसान नहीं होने वाला है, तो हम सब किसान आपके साथ है। किसान है किसान के ऊपर बात आती है। संगठन में काम की कमी है। साहब लोग से निवेदन है कि हमारा फायदा अधिक हो। इसमें शासन–प्रशासन हमारी चिंता करें। हमारा आवक कैसे बढ़ेगा, हम दुगना लाभ कैसे ले सकेंगे? किसान का क्षेत्र है। धान का उत्पाद लेते है। खेती नहीं कर पाते है। कृषक भोले भाले होते है हम लोग धान, गेहू सिंचित एरिया में नहीं कर पाते है। किसान जो है उनको प्लांट के बारे में जानकारी नहीं है। फैक्ट्री तो हमने भोरमदेव में देखा है लेकिन एथेनॉल के बारे में किसी किसान को जानकारी नहीं है। इसके लिए किसान व शासन का भी काम है। वातावरण प्रदूषित न हो, इसमें विशेष ध्यान रखना है, ये मेरा निवेदन है सभी किसान साथ दे कोई नहीं चाहता कि पैदावार कम हो। हमारा आवक कम हो कोई किसान नहीं चाहता। आवक बढ़ाना चाहते है, फायदा बढ़ाना चाहते है। इसमें शासन–प्रशासन ध्यान दे और इसमें भी आपसे अनुरोध भी होनी चाहिए कि किसान गन्ना उत्पादन कर दिया इसको ले जाकर लाईन लगाता है, पर्ची नहीं बन पा रही है। ये दोनों प्रकार की परेशानी किसानों को झेलनी न पड़े इसके लिए प्रशासन विशेष ध्यान रखें। हम स्वागत करते है फैक्ट्री खुलता है,

सिर्फ पर्यावरण और सिंचाई की मांग करते हुए फैक्ट्री खुलने में कोई दिक्कत परेशानी नहीं। यहां सब किसान है, सब चाह रहे है।

30. **श्री चैतराम खाण्डे, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी ग्राम–मुंगेली** :–जैसा कि आज हमारे यहां जनसुनवाई का कार्यक्रम शुरू होये हे। शुरू होत तक अभी तक कतका किसान के सहमति हे अऊ कतका किसान विरोध म हे। ये ऐखर आंकलन होना चाहिए। मोर निवेदन हे के किसान हित म प्लांट सही हे त खोला जाये अऊ किसान के विपरीत हे त नहीं खोला जाये। दोनों तरफ से मैं दोनों पहलू म बात करीहव। पूरा हमर कवर्धा क्षेत्र के साथीगण आये हे। उनमन ल मालूम हे कि कतका एथेनॉल म किसान के फायदा होथे। भोरमदेव कारखाना म कतका हमला फायदा होथे। अभी हमर साथी मन बताईन हे कि हमला पानी आवश्यकता हे आपत्ति नहीं हे। ये जरूरी नहीं हमारा क्षेत्र छायावृष्टि क्षेत्र है। आज हमर क्षेत्र में हमेशा अकाल–दुकाल पड़थे। हमन एक ठोक छोटे बिजली के नाम से अधिकारी मन के पास जाथन तो हमें भगे बर पड़थे। सबसे समस्या पानी की व्यवस्था जरूरी हे। अगर पानी सही हे त ये एथेनॉल भी सही हे। मैं ये सुझाव यही देहव के कवर्धा के साथी मन ल मालूम हे हमन विरोध नहीं करतथन। किसान चाहे कवर्धा के हो या नवागढ के हो चाहे बिलासपुर के हो किसान, किसान हन अऊ शासन जेन भी एथेनॉल के फैक्ट्री लगाथे। ओमा सब ला आशा रहीथे वो हमर क्षेत्र म खुलय, हमर क्षेत्र के विकास होवय अऊ हमर क्षेत्र के लईका मन ल रोजगार मिलय।

31. **श्री पुखराज, ग्राम–नागोबहरी** :–जैसा कि बताया गया है कि ये साढे तीन करोड़ का प्रोजेक्ट है। इतना लागत लगाने के बाद वो पैसा वापस आयेगा और फायदा भी होगा। जो पब्लिक सेक्टर है यहां पर पब्लिक सेक्टर के लिए क्या किया जायेगा? मैं पूछना चाहूंगा कि पब्लिक सेक्टर के लिए क्या किया जायेगा? उसमें से कितना दिया जायेगा? यहां पर जैत नावागांव, विचारपुर, किलरीयापारा, पीपरिया, नांगोपहरी, सिल्ली, पालम, सेतगंगा सबसे ज्यादा इफेक्टेड रहेंगे। यहां पर प्रदूषण का स्तर बहुत अधिक होगा क्योंकि बिहार के पुर्णया में जो कचरा फैक्ट्री लगी है वहां जा चुका हूॅ वहां के किसानों से मिल चुका हूॅ। वहां जो प्रदूषण है वो बहुत खतरनाक है, जबकि वो सिर्फ 65 किलोलीटर का है। ये तो 600 किलोलीटर/दिन का है। प्रदूषण तो बहुत ज्यादा है जिसके कारण उनकी 10 किलोमीटर पर फसल उत्पादन नहीं होता है। अभी रो रहे है वहां के किसान सबसे पहला एथेनॉल का प्लांट डला है

बिहार में उसकी बात कर रहा हूॅ। अभी रो रहे है वहां पर किसान कि मैं पूछना चाहूंगा कि भाई यहां की क्या स्थिति है और क्या करेंगे जो प्रदूषण होगा उसका? प्लांट से पानी निकल रहा है उसका बाहर निकल रहा है। बहुत जबरदस्त प्रदूषण होगा।

32. **श्री मनीष यादव, ग्राम–पालम** :–अभी जो बात हुई है भैया लोग चर्चा किये है। कुछ मतभेद हो गया था। 05 मिनट बाहरी गांव के, जिले के लोग क्यों आये है? उसमें मैं स्पष्टीकरण दे देव। भैया मन के कहना रहित हे कि विरोध नई करत हे बाहर जिला के आकर मत कहे देवत हव। ओखर ये कहना रहिस हे कि फैक्ट्री खुलत हे ऐ बात हे उत्तम खुलत हे। ता फैक्ट्री खुले से जो भी प्रभाव पड़ही और दुषप्रभाव पड़ही, जेन भी फायदा होही, नुकसान होही, जेन आस–पास के ग्रामीण हे ओला ज्यादा होही। मोर यही कहना रहीस हे कि मत सभी दे सकते है मत दे म रोके नहीं गये हे। मत देना सभी के अधिकार हे। स्पष्टीकरण कर देवंव कि भैया मन कहना चाहत हे कि फैक्ट्री खुलही हमर गांव म खुलही जेन भी परिणाम होही दुष्परिणाम होही हमी मन ल भोगे ल पड़ही ऐमा जो ज्यादा तर मत लेना चाहिए वो आस–पास मन के मत लेना चाहिए। सही बात होही कि जेन भी प्रभाव पडना है, गलत होना है कि सही होना है। जो हमारे आसपास के 20 गांव है। 20 किलोमीटर के क्षेत्र है वो ओला ज्यादा फर्क पड़ही अही ल विशेष ध्यान देना चाहिए। किसान मन ल भी जैसे हमन फैक्ट्री बर मिल जुलकर के मत देवत हन वैसने हमन किसान मन भी एक होकर अपन समस्या के आवाज उठाना चाहिए। एक प्रकार से मीटिंग भी करना चाहिए। अउ एक बात आउ कहना चाहत हव कि जैसे फैक्ट्री खुलत हे ऐसने नहीं की पहली बार छत्तीसगढ के खुलत हे कि बगल म खुलत हे। अउ कहीं न कहीं एथेनॉल के फैक्ट्री खुले हे। आज साधन है फेसबुक है, यूटूब है। सभी प्रकार के साधन हे हमन उपयोग करना चाहिए कि जहां–जहां फैक्ट्री खुले हे वहां पर ओखर रिवयू देख लेना चाहिए। न्यूज चैनल म सब जगह दिखाये गये है रिवयू कि फैक्ट्री खुले से क्या परिणाम अच्छा है? क्या दुषपरिणाम है? आज सभी जनता मन बर यूटूब विडियो ऐवलेबल हे। एक बर मैं किसान बंधु मन ल बोलना चाहू जो यूटूब, फेसबुक व न्यूज चैनल म बताये गये हे ओखर दुष्परिणाम जरूर देखे जाये।

33. **श्री शिवचरण सिंह ठाकुर, ग्राम–मदनपुर** :– मैं सन् 2017 से लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल कारखाना पंडरिया म काम कर हव बॉयलर सेक्शन म अऊ

वहां के कारखाना खुले से किसान मन के काफी हित होये हे। भोरमदेव शक्कर कारखाना म एथेनॉल के प्लांट भी लगे हे। मोर दोस्त राम कुमार देवांगन काम भी करथे वहां। ओखर से बात भी मैं करे हव। अऊ ज्यादा समझ नई आवत हे त किसान भाई मन ह जाकर दोनों शक्कर कारखाना देख ले उससे क्या लाभ है क्या हानि है। मोर व्यक्तिगत विचार हे कारखाना खुलना चाहिए। किसान के हित म काम होना चाहिए। एही मोर राय हे।

34. **श्री रोशन साहू, ग्राम–सिपाही** :– फैक्ट्री खुलना चाहिए लेकिन जल का विशेष ध्यान दे। ये महत्वपूर्ण है भैया।

35. **श्री राम अवतार सिंगरोल, ग्राम–बोदवा दावापुर** :– फैक्ट्री लगे म किसान मन के फायदा होही। अभी हम कवर्धा जिला म देखथन कि दो–दो कारखाना से किसान मन के फायदा होवत हे। किसान खुशहाल तो देश खुशहाल, किसान मन ल समझना चाहिए कि वाकई म हमन गन्ना उगाथन अपन देखथन मैं भी 20 एकड़ म गन्ना डाले हव। गन्ना म पानी बहुत कम लगथे। गन्ना के उत्पादन से प्रतिएकड़ 01 लाख के फायदा होथे। कारखाना से बचव होथे मैं स्वयं बेचथव। प्लांट लगना चाहिए। ये मोर व्यक्तिगत राय हे।

36. **श्री सुखचंद भास्कर, जनपद पंचायत पंडरिया, महिला एवं बाल विकास के सभापति, ग्राम–पंडरिया** :– मोर कवर्धा जिला ल जो सौगात मिले हे चाहे भोरमदेव शक्कर कारखाना के बात करव या जस्ट लगे भोरमदेव के पीछे एथेनॉल प्लांट के बात करव। ओखर से कभी भी किसी साथी मन ला हानि नई होये हे। हमर सरदार वल्लभ भाई पटेल कारखाना जो शुगर फैक्ट्री खुले हे। हमर पंडरिया में खासकर के हमन किसान मुंगेली को होये या मोर ससुराल युवाकांपा के 30 से 35 एकड़ में गन्ना के खेती होथे। आज हमर किसान कहीं भी शुगर फैक्ट्री म जावत हे त वहां स्वागत करके कृषक ल सदस्य बना देते है। साथ–साथ में जो हमर ऐती के दानापुर एरिया हे, सुकली हे, कोटा हे, तिगड़िया हे, भरया हे, डोगरिया हे, कंवलपुर हे, टाटा हे, दुल्लीपारा हे, गिरधारीकांपा हे, कुण्डा हे, अमली, केशली, पौनी हे, दुल्लापुर हे, भालापुर हे, ऐ तरफ देखे तो सिपाही से व पूरा लोरमी क्षेत्र जतका लगे आस–पास के गांव मैं अही निवेदन चाहू कि हमला कोई प्रकार के कवर्धा जिला के फैक्ट्री खुले से नुकसान नई होये हे, बल्कि लगभग 75 से 80 प्रतिशत किसान साथी मन ल, बेरोजगार साथी मन ल वहां रोजगार मिले हे। जेखर से हमन हरियाणा, दिल्ली,

भोपाल, नागपुर, कानपुर न जाकर यहां रोजी मजदूरी करके अपन पालन–पोषण करथन, अपन क्षेत्र में फैक्ट्री खुले से लाभंवित होय हन। किसान भाई से गुजारिश करत हव के ऐसे सौगात मिलथे वोमा संपूर्ण सहमति प्रदान करना चाहिए अऊ खासकर जो फैक्ट्री लगाने वाले साथी मन से निवेदन करथव के अधिकारी, कर्मचारी मन से निवेदन करथन कि पंडरिया कवर्धा में जो हमर छत्तीसगढ़ के क्षेत्रीय ग्रामणी अंचल के बेरोजगार साथी हे उन्हे योग्यता के अनुसार, शिक्षा के अनुसार आगे के कर्मचारी नियुक्त करना चाहिए, निवेदन करत हव आप मन से जो हमर क्षेत्र के वासी है वो ग्रामीण मन ला अंचल मन के जो साथी बेरोजगार साथी मन हे, कृषक बंधु मन हे, लगभग 75 प्रतिशत 80 प्रतिशत जो बेरोजगार साथी है ओला सब मिलकर के सदस्यत भी बनाओ। कर्मचारी/अधिकारी के रूप में सम्मान करा जाये। आज हमर कवर्धा जिला म आज कोई प्रकार से नुकसान नई हे। हमन 01 एकड़ में 30,000 से 35,000 धान बेचत रहेन, आज सरकार के योगदान से 3,000–3,100 क्वींटल हो गये हे लेकिन मोर मेर 80 डिसमिल–01 एकड़ के खेत हे ओमा मैं 01 लाख के गन्ना बेचे हव। आज जाकर देख लो जो कवर्धा जिला ल सौगात मिलत हे, त मैं निवेदन चाहत हव के अईसे एथेनॉल फैक्ट्री खुले से हमला कोई हानि नई हे। यहां भी किसी प्रकार के हानि नहीं होना चाहिए। मैं बहुत देर से सुनत रहेंव के 70 से 80 प्रतिशत मोर साथी मन हे, जनप्रतिनिधि मन हे, गौटिया मन हे, ऐखर खेतीहार मजदूर मन हे, किसान भाई मन के विशेष मांग हे कि पानी के वातावरण ला ध्यान देना हे। ऐखर से मैं सबसे निवेदन चाहत हव के विशेष ध्यान देकर पुनः जिला–मुंगेली म बड़े–बड़े मांग करथन कि हमर क्षेत्र में यहां फैक्ट्री खुलना चाहिए। हमला रोजगार मिलना चाहिए, लेकिन हमला कभी भी नहीं मिल सकय। सौगात के मैं बहुत शुक्रगुजार हव। फैक्ट्री हमर फास्टरपुर, जिला–मुंगेली परिक्षेत्र म खुलत हे ओ ह सब किसान मन बर एक बहुत बड़े सौगात हे। हम सबां ल विश्वास हे, आशा हे कि आंदोलन कभी भी हो जाथे। अभी हमन के मत के अनुसार बुद्धि काम करत हे, तो कभी भी आंदोलन कर सकत हन, लेकिन अभी पूर्ण सहमति जाहिर करथव।

37. **श्री रमेश कोशले, ग्राम–सहारनपुर** :– सब यहां लाभ के बारे म बहुत कुछ बताये हे कहे ल नई लगय। लाभ तो होथे लाभ के साथ हानि भी होथे। बहुत अच्छा बतात रहिन सब अपने हिसाब से बतात रहिस कि लाभ होही फैक्ट्री खुलही त रोजगार के अवसर मिलही अऊ विकास होही। ओखर बारे म नई

बोल सकन ओ देखे म मिलही, लेकिन मैं सबसे ये पूछना चाहत हव कि कार्बन उत्सर्जित होही त ओखर से हमला प्रभावित नई करही का। का मनुष्य बस सांस लेथे, पेड़–पौधा ल भी जरूवत हे, एसपीरेशन के लिए भी जरूरी हे। जेखर से फसल भी उत्पादन करही। आदमी के उम्र भी घटही, आदमी ल पूरी तरह से प्रभावित करही, तरह–तरह से रोग उत्पन्न होही। मैं तो खुले की नई खुले के पक्ष म नई हवव। खुलना रईही त खुल के रईही मोर धारणा हे वास्तव म फैक्ट्री खुलही त ओखर वेस्टेज निकली त ओखर कार्बन उत्सर्जित होही, वातावरण प्रदूषित होही। ये पहली बार नई हे कि जहां फैक्ट्री खुलत हे वहां आदमी रोग से ग्रसित हे ये सब जानत हन, बहुत अच्छा बतात रहेव, विकास होही त रोजगार मिलही, 80 हजार के बेचेव। हम विकास के दौर में हम विनाश की ओर चल रहे है। कभी हमारी उम्र 100 साल थी आज हमारी उम्र 60 साल हो गई है क्यों ? प्रदूषण की वजह से। मेरे से अच्छे–अच्छे वक्ता हैं जानने वाले। जहां तक जानता हूॅ बता रहा हूॅ। हमारी उम्र कम है वो प्रदूषण की वजह से है। दूषित खान–पान व वातावरण से है। मैं चाहता हूॅ फैक्ट्री खुले कि न खुले बाद में विचार करें कि कार्बन उत्सर्जित होगा। इसका समुचित व्यवस्था हो। समुचित कार्बन की व्यवस्था हो ही नहीं सकता। आज हमारे कार्बन के वजह से हमारी ग्लोबल वार्मिंग हो रहा है, ओजोन परत छेद हो चुका है, इसके बारे में कोई जानता नहीं है व सुनना भी नहीं चाहता। विकास के दौर में आदमी विकास–विकास–विकास इस दौर में दौड़ रहे है। अपने आप को खुद नुकसान कर रहे हैं हम, जरूरी है लेकिन ये फैक्ट्री गांव से दूर हो ये अच्छा होगा। हम लोगों से दूर रहे।

उपरोक्त वक्तव्यों के बाद अतिरिक्त कलेक्टर कार्यालय कलेक्टर, जिला–मुंगेली तथा क्षेत्रीय अधिकारी, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, बिलासपुर द्वारा उपस्थित जन समुदाय से अपने विचार व्यक्त करने का अनुरोध किया गया, किंतु जब कोई भी व्यक्ति अपने विचार व्यक्त करने हेतु उपस्थित नहीं हुए तद्उपरांत लोक सुनवाई में उठाये गये मुद्दो पर परियोजना से संबंधित प्रतिनिधि को जानकारी देने के लिए आमंत्रित किया गया। परियोजना प्रतिनिधि के रूप में श्री अवनीश चौधरी, वाईस प्रेसीडेन्ट मेसर्स आरएसएलडी बायोफ्यूल्स प्राईवेट लिमिटेड, ग्राम–कैथ नवागांव, तहसील व जिला–मुंगेली (छ.ग.) द्वारा लोक सुनवाई में उठाये गये मुद्दो के संबंध में मौखिक जानकारी प्रस्तुत की गई। लगभग अपरान्ह 2:15 बजे अतिरिक्त कलेक्टर एवं पीठासीन अधिकारी, जिला–मुंगेली द्वारा लोकसुनवाई सम्पन्न होने की घोषणा की गई।

लोकसुनवाई स्थल पर लिखित में कुल 61 आवेदन पत्र सुझाव/विचार/टीका –टिप्पणी प्राप्त हुई। स्थल पर उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति को आवेदक से प्रस्तावित परियोजना पर सूचना/स्पष्टीकरण प्राप्त करने का अवसर दिया गया। लोक सुनवाई के दौरान 37 व्यक्तियों के द्वारा मौखिक सुझाव/विचार/टीका–टिप्पणी एवं आपत्तियां अभिव्यक्त की गई, जिसे अभिलिखित किया गया। लोक सुनवाई में लगभग 150 व्यक्ति उपस्थित थे। उपस्थिति पत्रक पर कुल 55 व्यक्तियों द्वारा हस्ताक्षर किया गया। आयोजित लोक सुनवाई की वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी कराई गई।

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल,
बिलासपुर(छ.ग.)

अतिरिक्त कलेक्टर
एवं पीठासीन अधिकारी,
कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी,
जिला–मुंगेली(छ.ग.)